# हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

## अंक योजना (2026-27)

कक्षा - ग्यारहवीं　　विषय : (हिन्दी आधार )

समयावधि : 3 घंटे　　कुल अंक : 80

---

## सामान्य निर्देश :-

1) अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
2) वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं है बल्कि सुझावात्मक एवम् सांकेतिक हैं।
3) यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न किंतु उपयुक्त उत्तर दें तो उन्हें अंक दिए जाएँ।
4) मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्यानुसार नहीं बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।

| प्रश्न संख्या | प्रश्न उपभाग | उत्तर संकेत/ मूल्य बिंदु | अंक विभाजन |
|---|---|---|---|
| | | खंड - अ ( बहुविकल्पीय प्रश्न) | |
| 1 | (i)<br>(ii)<br>(iii)<br>(iv)<br>(v) | (ख) शिक्षा<br>(ग) परिवेश<br>(क) सामान्य विषय की जानकारी न होना<br>(क) शिक्षा रोजगार की साध्य हो गई है<br>(घ) विवेकशील नागरिक प्राप्त होंगे। | 1<br>1<br>1<br>1<br>1 |
| 2 | (i)<br>(ii)<br>(iii)<br>(iv)<br>(v) | (ग) अल्पकालिक<br>(ग) संघर्षों का सामना करने वाले व्यक्ति<br>(ग) मानवीय गुणों एवं मूल्यों को अपनाना<br>(ख) संघर्ष, कर्म और मानवता का महत्व<br>(ख) संघर्ष एवं दृढ़ता | 1<br>1<br>1<br>1<br>1 |
| 3 | (i)<br>(ii)<br>(iii)<br>(iv) | क विश्वास करना<br>क - सार तत्व ग्रहण करना<br>ग - भौतिक सुखों को<br>घ - आदिवासियों का | 1<br>1<br>1<br>1 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | (v) | ग - 1(iii) , 2(i) , 3(ii) | 1 |
| 4 | (i)<br>(ii)<br>(iii)<br>(iv)<br>(v) | क मुंशी प्रेमचन्द<br>घ -ट्यूशन न लेने पर अध्यापक द्वारा कम अंक देने के<br>कारण<br>ग - संस्मरण<br>घ भवानी प्रसाद मिश्र<br>ख - 1(ii) , 2(iii) , 3(i) | 1<br>1<br>1<br>1<br>1 |
| 5 | (i)<br>(ii)<br>(iii)<br>(iv)<br>(v) | क - समूह संचार<br>ग - संपादन के सिद्धांत<br>ख - डायरी नितांत वैयक्तिक रचना है<br>क - फ़्लैशबैक<br>ग - मज़ेदार और मनोरंजक समाचारों को | 1<br>1<br>1<br>1<br>1 |
| 6 | (i)<br>(ii)<br>(iii)<br>(iv)<br>(v) | (ग) मन से जन्म लेने वाला - कामदेव<br>(ग) - 1(iii) , 2(i) , 3(iv) , 4 (ii)<br>(ग) बच्चे को काटकर सेब खिलाओ<br>(ख) पुनरुक्ति संबंधी<br>(क) लम्बा उदर है जिसका (गणेश जी) | 1<br>1<br>1<br>1<br>1 |
| | | खंड ख ( वर्णनात्मक प्रश्न) | |
| 7 | <br><br><br><br><br>(i)<br>(ii)<br>(iii)<br><br>(iv)<br>(v) | **प्रसंग व संदर्भ** - मीराबाई व पद<br>**व्याख्या** - प्रभु के प्रति समर्पण भाव<br>**काव्य - सौन्दर्य** - अनुप्रास व पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार, राजस्थानी मिश्रित भाषा, प्रसाद गुण आदि<br>**अथवा**<br>निर्मला पुतुल व आओ मिलकर बचाएँ<br>ख़ुशी के समय हमारे मुख से फूट पड़ने वाले गीतों को<br>बच्चों को खेलने के लिए मैदान , पशुओं के लिए हरी- भरी घास और बुजुर्गों के लिए प्राकृतिक शांति की प्राप्ति हो सके।<br>वातावरण पर चिंता व्यक्त की है।<br>शांत रस, छंद मुक्त, अनुप्रास व पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार, खड़ी बोली आदि | 1<br>3<br>1<br><br><br>1<br>1<br>1<br><br>1<br>1 |
| 8 | (क) | • पूरे संसार में एक ही पवन का बहना।<br>• पूरे संसार में एक ही प्रकार का जल का बहना।<br>• एक ही मिट्टी का होना। पर उससे भिन्न-भिन्न बर्तनों का निर्माण। | 3 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | (ख) | • संवेदनहीन शासन व्यवस्था पर कटाक्ष।<br>• देखकर भी अनदेखा करना । | 2 |
| 9 | | **प्रसंग व संदर्भ -**<br>**व्याख्या** - विवेकानुसार<br>**विशेष** - विवेचनातमक शैली, वाक्य विन्यास सटीक, भाषा सहज ।<br>**अथवा** | 1<br>3<br>1 |
| | (i) | शेखर जोशी व गलता लोहा | 1 |
| | (ii) | मोहन एक दिन बड़ा आदमी बनकर, स्कूल और उनका नाम ऊँचा करेगा | 1 |
| | (iii) | बड़ा आदमी बनाने का स्वप्न देखने लगे। | 1 |
| | (iv) | मोहन एक दिन बड़ा आदमी बने और अपने वंश की गरीबी को दूर करे। | 1 |
| | (v) | गाँव में आगे की पढ़ाई के लिए स्कूल न होना। | 1 |
| 10 | (क) | निर्धन एवं अभावग्रस्त<br>दृढ़ निश्चयी और कर्मठ<br>कर्त्तव्यनिष्ठ<br>पारखी | 3 |
| | (ख) | मन्नू भंडारी द्वारा लिखित 'रजनी' एक पटकथा है, जो पिछली सदी के नवें दशक का एक बहुचर्चित टी.वी. धारावाहिक रहा है। यह पाठ 'रजनी' पटकथा की एक ऐसी स्वतंत्र कड़ी है, जिसमें स्त्री पात्र रजनी वर्तमान समय की शिक्षा संबंधी समस्या (जैसे कोचिंग व ट्यूशन सेंटर के नाम पर किया जाने वाला शिक्षा का व्यवसाय) की ओर हमारा ध्यान खीचती है। | 2 |
| 11 | | • प्रारंभ एवम् अंत की औपचारिकताएँ<br>• विषय सामग्री<br>• भाषा की शुद्धता एवम् प्रस्तुति<br>**अथवा**<br>• परिचय<br>• अनुभव<br>• शैक्षणिक योग्यता<br>• उपलब्धि<br>• रुचि | 5 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 12 | (क) | सूचना प्रदान करना<br>शिक्षित/ जागरूक करना<br>मनोरंजन करना<br>निगरानी करना<br>एजेंडा तय करना<br>विचार विमर्श के मंच | 3 |
| | (ख) | दृश्य योजना में अंतर<br>नाटक सजीव कला का माध्यम जबकि पटकथा रिकॉर्डिड<br>नाटक - सीमित अवधि, पटकथा - कोई निश्चित अवधि नहीं<br>नाटक - दृश्यों व पात्रों की संख्या सीमित, पटकथा - निश्चित नहीं | 2 |
| 13 | (क) | • पूर्णतः असहमत<br>• करुणा का भाव गीत की आवश्यकता के अनुसार<br>• जीवन से जुड़ाव<br>• करुण रस के गानों के स्वर में भी कोमलता | 3 |
| | (ख) | • जल को प्रकृति की अनमोल धरोहर बताया है<br>• मरुभूमि में कुंई और कुओं के महत्त्व को दर्शाया गया है।<br>• भावी पीढ़ी लिए पानी के बचाव प्रति सजगता। | 2 |
| | (ग) | • बड़े लड़के की दो महीने से कोई सूचना न होना।<br>• बेटे को ले जाने वाले लोगों से संतोषजनक उत्तर न मिलना। | 2 |
| 14 | (क) | यमक - समान शब्द लेकिन अर्थ अलग<br>जैसे - काली <u>घटा</u> का घमंड <u>घटा</u><br>(बादलों की घटा) (कम होना)<br>श्लेष - शब्द एक लेकिन अर्थ दो या दो से ज़्यादा<br>मंगन को देख <u>पट</u> देत बार - बार है<br>पट - वस्त्र और दरवाज़ा | 3 |
| | (ख) | उत् + लास, पो + अन | 1+1=2 |
| 15 | (क) | 'गीता' में यह बताया गया है कि कर्म करो फल की चिंता मत करो। हमारे हाथ में केवल कर्म करना है। उस कर्म का फल प्राप्त करना हमारे हाथ में नहीं है। अतः 'गीता' कहती है कि कर्तव्य को ही अपना अधिकार समझकर उसमें ही अपनी ऊर्जा | 2 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | और क्षमता को विश्वासपूर्वक लगा दो। फल की इच्छा अर्थात् भविष्य की चिन्ता मत करो। | |
| | (ख) | एक युवक से आधी रात के समय सो रहा था। अचानक वह उठा और 'बचाओ-बचाओ' चिल्लाते हुए भागा। इससे पहले कि परिवार के लोग उसे पकड़ पाते. वह भागते-भागते दूर जाकर गिर पड़ा और बुरी तरह घायल हो गया। पूछने पर उसने बताया कि सोने से पहले वह ऐसा ही उपन्यास पढ़ रहा था। उस उपन्यास की घटना ने उसके मस्तिष्क पर ऐसा प्रभाव डाला जिसका परिणाम यह निकला। | 2 |
| | (ग) | • प्रतिकूल परिस्थितियों में धैर्य धारण करना<br>• परीक्षा परिणाम में तनिक सी प्रतिकूलता में निराशा व अवसाद की बजाय धैर्य धारण करना | 2 |
| | (घ) | • भारतीय रक्षा अनुसंधान संगठन में वैज्ञानिक<br>• सन् 1992 से 1999 तक रक्षामंत्री के विज्ञान सलाहकार तथा सुरक्षा शोध और विकास विभाग के सचिव<br>• भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार थे।<br>• भारत के राष्ट्रपति - जुलाई 2002 से जुलाई 2007 तक | 2 |